वालोंग युद्ध की 62वीं वर्षगाँठ

[स्रोत: द हिंदू](#)

भारतीय सेना **चीन के साथ वर्ष 1962 के युद्ध** के दौरान हुआ **वालोंग युद्ध** की **62वीं वर्षगाँठ** मनाने के लिये एक महीने तक कार्यक्रमों की एक शृंखला आयोजित करेगी।

- इस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने, अपनी कम जनसंख्या और संसाधनों की कमी के बावजूद, **किबिथु, वालोंग और** नामती ट्राई-जंक्शन (टाइगर्स माउथ) के चुनौतीपूर्ण इलाकों में आगे बढ़ रही **चीनी सेना को 27 दिनों तक सफलतापूर्वक** रोके रखा।
- कुमाऊँ, सिख, गोरखा और डोगरा रेजिमेंटों के साथ **11 इन्फैंट्री ब्रिगेड** ने चीनी सेना के विरुद्ध वालोंग क्षेत्र की रक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- यह युद्ध 3,000 से 14,000 फीट की ऊँचाई पर हुआ था, लेकिन 62 वर्षों के बाद, **बेहतर बुनियादी ढाँचे और सेना की बढ़ी हुई** शक्ति ने स्थिति बदल दी है।
- इस वर्ष के स्मरणोत्सव में कई साहसिक और सामुदायिक गतिविधियाँ शामिल होंगी हैं, इस दौरान**व्हाइट वाटर राफ्टिंग, मोटरसाइकिल रैलियां, साइकिल रैलियाँ, युद्धक्षेत्र ट्रेकिंग, एडवेंचर ट्रेकिंग और हाफ मैराथन** जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।
    - **लामा स्पर** में नव पुनर्निर्मित **वालोंग युद्ध स्मारक** और **शौर्य स्थल का** उद्घाटन किया जाएगा।
    - **14 नवंबर को वालोंग दिवस** पर पुष्पांजलि समारोह, युद्ध वर्णन और मिशिमी तथा मेयर नर्तकों द्वारा पारंपरिक प्रदर्शन किया जाता है।

और पढ़ें: भारत-चीन संघर्ष

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/62nd-anniversary-of-the-battle-of-walong